[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2830 **G**

Unique Paper Code : 2055092002

Name of the Paper : हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (ख)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) GE Hindi/III**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

1. किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8×3=24)

   (क) "मैंने तेरे को आते ही पहचान लिया। एक काम कहती हूँ, मेरे तो भाग फूट गए। सरकार ने बहादुर का ख़िताब दिया है, लायलपुर में ज़मीन दी है, आज नमक - हलाली का मौका आया है। पर सरकार ने तीमियों की घघरिया पलटन क्यों न बना दी, जो मैं भी सूबेदार जी के साथ चली जाती? एक बेटा है, फ़ौज

DM No. 14374 No. of Students 56 Present Ab. Total

में भरती हुए उसे एक ही वर्ष हुआ। उसके पीछे चार और हुए, पर एक भी ना जिया।"

अथवा

"मज़दूरी करना जीवन-यात्रा का आध्यात्मिक नियम है। जोन ऑफ आर्क की फ़कीरी और भेड़ें चराना, तालस्टॉय का त्याग और जूते गाँठना उमर खै़याम का प्रसन्नतापूर्वक तम्बू सीते फिरना, ख़लीफ़ा उमर का अपने रंगमहलों में चटाई आदि बुनना, ब्रह्मज्ञानी कबीर और रैदास का शुद्र होना, गुरु नानक और भगवान कृष्ण का मूक पशुओं को लाठी लेकर हाँकना सच्ची फ़क़ीरी का अनमोल भूषण है।"

(ख) बेटा बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं - बड़प्पन तो मन का होना चाहिए। और फिर बेटा घृणा को घृणा से से नहीं मिटाया जा सकता, बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जाएगी। लेकिन यदि उसे घृणा के बदले स्नेह मिले तो उसकी सारी घृणा धुँधली पड़कर लुप्त हो जाएगी। और महानता भी बेटा, किसी से मनवाई नहीं जा सकती, अपने व्यवहार से अनुभव कराई जा सकती है। ठूँठ वृक्ष आकाश को छूने पर भी अपने महानता का सिक्का हमारे दिलों पर उस समय तक नहीं बैठा सकता, जब तक अपनी शाखाओं में वह ऐसे पत्ते नहीं लाता, जिनकी शीतल- सुखद छाया मन के सारे ताप को हर ले और जिसके फूलों की भीनी-भीनी सुगंध हमारे प्राणों में पुलक भर दे।

अथवा

"शामनाथ हर बात में तरतीब चाहते थे घर का सब संचालन उनके हाथ में था खूँटियाँ कमरों में कहाँ लगाई जाएँ, बिस्तर कहाँ पर बिछे, किस रंग के पर्दे लगाए जाएँ, श्रीमती कौन सी साड़ी पहनें, मेज किस साइज़ की हो...। शामनाथ की चिंता थी कि अगर चीफ का साक्षात् माँ से हो गया, तो कहीं लज्जित नहीं होना पड़े।"

(ग) "केवल उसके स्वभाव में अभिमान की मात्रा इतनी थी कि वह दोष की सीमा तक पहुँच जाती थी। .....गहने भी उसकी माँ ने कम नहीं छोड़े थे। विवाह संबंध उसके जन्म के पहले ही निश्चित हो गया था। पाँचवे वर्ष में ब्याह भी हो गया पर गौने से पहले ही वर की मृत्यु ने उस संबंध को तोड़कर जोड़ने वालों का प्रयत्न निष्फल कर दिया। ऐसे परिस्थिति में जिस प्रकार उच्च वर्ग की स्त्री का गृहस्थी बसा लेना कलंक है, उसी प्रकार नीच वर्ग की स्त्री का अकेला रहना सामाजिक अपराध है।"

अथवा

".... माई लार्ड को ड्यूटी का ध्यान दिलाना सूर्य को दीपक दिखाना है। वह स्वयं श्रीमुख से कह चुके हैं कि ड्यूटी से बंधा हुआ मैं इस देश में फिर आया, यह देश मुझे बहुत ही प्यारा है। इससे ड्यूटी और प्यार की बात श्रीमान के कथन से ही तय हो जाती है उसमें किसी प्रकार की हुज्जत उठाने की ज़रूरत नहीं। तथापि यह प्रश्न आपसे से आप जी में उठता है कि इस देश की प्रजा से प्रजा के लोगों की बात जानना भी उस ड्यूटी

की सीमा तक पहुँचा है या नहीं? यदि पहुँचा है, तो क्या श्रीमान बता सकते हैं कि अपने छः साल के लंबे शासन में इस देश की प्रजा का क्या जाना और उससे क्या संबंध उत्पन्न किया?"

2. कहानी विधा का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

अथवा

निबंध विधा के बारे में एक लेख लिखिए।

3. "लहना सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

अथवा

'चीफ़ की दावत' कहानी में मध्यम वर्ग के चरित्र के बारे में लिखिए।

4. 'एक दुराशा' निबंध का सार लिखिए। (15)

अथवा

'सरदार पूर्णसिंह' दवारा लिखित 'मजदूरी और प्रेम' निबंध की समीक्षा कीजिए।

5. 'बीबिया' की सामाजिक स्थिति के बारे में लिखिए। (15)

अथवा

'सूखी डाली' एकांकी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर टिप्पणी लिखिए: (6)

(क) 'उसने कहा था' कहानी में चित्रित प्रेम

(ख) 'सूखी डाली' में छोटी बहू का चरित्र चित्रण

(1500)